अब मन-मुताबिक बनाएं रिटायरमेंट प्लान, तैयार हुआ प्राइवेट सेक्टर का पहला डिजिटल प्लेटफॉर्म, कैसे करता है काम?

अब स्वयं अपने लिए बना सकते हैं रिटायरमेंट प्लान. (News18)

पेंशनबॉक्स रिटायरमेंट प्लान शिवम, कुलदीप पराशर द्वारा एक स्टार्टअप के रूप में बनाया गया है, जिसका उद्देश्य लोगों की ...अधिक पढ़ें

• NEWS18 हिंदी
• LAST UPDATED : DECEMBER 12, 2023, 22:46 IST
Join our Channel
WRITTEN BY : Sandeep Gupta

संबंधित खबरें

बढ़ेगी रिटायरमेंट की उम्र, 10 साल ज्यादा करना होगा काम, लेकिन कहां?

इन कर्मचारियों से सरकार नाखुश, समय से पहले रिटायर करने का आदेश

जो बीवी से करे प्यार, वो भला NPS से कैसे करे इनकार! फायदे इतने कि...

बुढ़ापे में नहीं होगी पैसों की रत्ती भर चिंता, ये 5 स्कीम हैं वरदान

नई दिल्ली. भारत में लाखों लोग निजी क्षेत्र में काम करते हैं. प्राइवेट नौकरी से जुड़ी अनिश्चितताओं के बीच हर कोई व्यक्ति अपना रिटायरमेंट प्लान करना चाहता है. इसके लिए वो सही पेंशन योजना को चुनता है. लोगों की इसी समस्या से निजात दिलाने के लिए UPES के कुछ पूर्व छात्रों ने मिलकर पेंशनबॉक्स की शुरुआत की है. पेंशनबॉक्स प्राइवेट कर्मचारियों के लिए डिजिटल पेंशन या सेल्फ प्लांड पेंशन की अवधारणा पेश करने वाला भारत का पहला डिजिटल पेंशन प्लेटफॉर्म है.

शिवम, कुलदीप पराशर द्वारा बनाए गए पेंशनबॉक्स का उद्देश्य लोगों की जरूरतों और खासियतों के हिसाब से पेंशन की योजना बनाने में मदद करना है,भले ही रिटायरमेंट की उनकी उम्र, जगह या व्यवसाय कुछ भी हो. बेंगलुरु के इस स्टार्टअप को विकसित करने का विचार पाराशर को उस समय आया जब वो अपने माता-पिता के लिए एक रिटायरमेंट प्लान बना रहे थे. छात्रों ने दावा किया है कि एआई की सुविधा से लेस पेंशनबॉक्स पर रिटायरमेंट प्लान बनाना बेहद आसान है. ये एक दम लचीला,पारदर्शी और सुरक्षित तरीका उपलब्ध कराता है. पेपरलेस तरीके से सुविधा उपलब्ध कराने वाला यह प्लेटफॉर्म लोगों के लिए बिना किसी जुर्माने के किसी भी समय उनकी बचत की रकम या अवधि में बदलाव करने की सुविधा देता है. इसका इस्तेमाल करने वाले लोग चाहें तो अपनी पसंद के हिसाब से जितनी चाहे उतनी बचत कर सकते हैं. जिससे उन्हें योजना बनाने, बचत करने, निवेश करने और अपने पेंशन की निगरानी करने की पूरी आजादी मिलती है.

यह भी पढ़ें:- हैवानियत: लड़की लेकर फरार हुआ युवक, गुस्साए परिवार वालों ने उसकी मां को पीटा, निर्वस्त्र अवस्था में खंभे से भी बांधा

यूनिवर्सिटी ने 37 स्टार्टअप को दिया अनुदान

पेंशनबॉक्स बनाने में मदद करने के लिए यूपीईएस के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कुलदीप ने इंक्यूबेशन प्रोग्राम-रनवे की भी तारीफ की, जिसकी शुरुआत यूपीईएस काउंसिल फॉर इनोवेशन एंड ऑन्त्रप्रेन्योरेशिप (यूसीआईई) के अंतर्गत स्टार्टअप तैयार करने के लिए की गई थी. एड-टेक, सोशल इंपैक्ट, हेल्थकेयर, बायोटेक, डी2सी, फिनटेक, एआई/एमएल, फैशन एवं लाइफस्टाइल और सस्टेनेबिलिटी जैसे विभिन्न उद्योगों के 200 से ज़्यादा स्टार्टअप अब तक रनवे इंक्यूबेटर द्वारा तैयार किए जा चुके हैं. इंक्यूबेटर प्रोग्राम ने 37 इनोवेटिव स्टार्टअप को अनुदान दिए हैं.

अब तक कितना निवेश मिला?

पेंशनबॉक्स ने जाने-माने निवेशकों से अब तक 260 हजार डॉलर का निवेश हासिल किया है, जिनमें किशोर गंजी, कीनोट इंडिया, अप्रमेय राधाकृष्ण, सैट इंडस्ट्री और अन्य शामिल हैं. भारत के पेंशन क्षेत्र में अग्रणी भूमिका में स्थापित करने के लिए उभरते हुए उद्यमियों ने जुटाए गए धन का इस्तेमाल मजबूत टीम बनाने और प्रोडक्ट डेवलपमेंट में तेजी लाने के लिए इस्तेमाल करने की योजना बनाई है.